तताँरा वामीरो कथा

I N D I A
States and Union Territories
TAJIKISTAN
AFGHANISTAN
PAKISTAN
CHINA (TIBET)
NEPAL
BHUTAN
BANGLADESH
MYANMAR (BURMA)
SRI LANKA
LADAKH
Leh
Srinagar
JAMMU & KASHMIR
Jammu
HIMACHAL PRADESH
Shimla
PUNJAB
CHANDIGARH
Dehradun
UTTARAKHAND
HARYANA
DELHI
New Delhi
UTTAR PRADESH
Lucknow
Jaipur
RAJASTHAN
Gandhinagar
GUJARAT
Bhopal
MADHYA PRADESH
BIHAR
Patna
JHARKHAND
Ranchi
WEST BENGAL
Kolkata
SIKKIM
Gangtok
ARUNACHAL PRADESH
Itanagar
ASSAM
Dispur
Shillong
MEGHALAYA
NAGALAND
Kohima
Imphal
MANIPUR
Agartala
TRIPURA
Aizawl
MIZORAM
CHHATTISGARH
Raipur
ODISHA
Bhubaneswar
BAY OF BENGAL
Daman
DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU
Mumbai
MAHARASHTRA
TELANGANA
Hyderabad
Amaravati
Yanam (Puducherry)
ARABIAN SEA
Panaji
GOA
ANDHRA PRADESH
KARNATAKA
Bengaluru
Chennai
Mahe (Puducherry)
PUDUCHERRY
LAKSHADWEEP (INDIA)
Kavaratti
KERALA
TAMIL NADU
Karaikal (Puducherry)
Palk Strait
Thiruvananthapuram
ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS (INDIA)
Port Blair
International Boundary
State/UT Boundary
Country Capital
State/UT Capital
Map not to Scale
I N D I A N O C E A N
Copyright © 2020 www.mapsofindia.com

कार निकोबार लिटिल अंडेमान से 96 किलोमीटर दूर है।

प्रस्तुत पाठ तताँरा वामीरो कथा इसी द्वीप समुह के एक छोटे से द्वीप पर केंद्रित है। इस द्वीप में विद्वेष की जडें अपने पाँव जमा चुकी थी। उस विद्वेष को जड़ से उखाड़ने के लिए एक युगल को अपना आत्म बलिदान देना पड़ा था। उसी युगल के बलिदान की कथा यहां बताई गई है।

प्रेम सबको जोड़ता है और घृणा दूरी बढ़ाती है। इसलिए जो समाज के लिए अपने प्रेम का, अपने जीवन का बलिदान करता है, उसे न केवल समाज याद रखता है बल्कि उसके बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देता । यही वजह है कि तत्कालीन समाज के सामने एक मिशाल कायम करने वाले इस युगल को आज भी उस द्वीप के निवासी गर्व और श्रद्धा के साथ याद करते हैं।

सदियों पूर्व लिटिल अंडेमान और कार निकोबार एक ही थे। वहां एक सुंदर गाँव था। उस गाँव में तताँरा नाम का एक सुंदर युवक रहता था।

तताँरा

- नेक
- मददगार
- शांत
- त्यागी
- समाजसेवी
- सुंदर
- आकर्षक व्यक्तित्व
- आत्मीय स्वभाव
- पारंपरिक पौशाकधारी
- लकड़ी की तलवार में दैवीय शक्ति

एक दिन शाम को परिश्रम करने के बाद तताँरा समुद्र के किनारे बैठा था। ठंडी.-ठंडी हवा चल रही थी। पक्षियों की चहचहाट सुनाई दे रही थी। तभी उसे एक मधुर गीत सुनाई दिया। उसने देखा कि एक सुंदर युवती अपने गीत में खोई हुई थीं। अचानक लहरों ने उसे भींगो दिया और उसका गाना बंद हो गया।

इसके बाद दोनों आपस में मिलते रहे। तताँरा के जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आया। किसी भी काम में उसका दिल नहीं लगता था। लोगों को उनका मिलना जुलना अच्छा नहीं लगता था। तताँरा और वामीरो दोनों आपस में शादी करना चाहते थे लेकिन सामाजिक रीति-रिवाजों के कारण उनकी शादी नहीं हो सकी।

एक बार तताँरा के गाँव में पशु पर्व का आयोजन किया गया । वामीरो भी वहां पहुंच गई, तभी वामीरो की माँ ने तताँरा का बहुत अपमान किया। उसे यह बहुत बुरा लगा, उसने अपने क्रोध को शांत करने के लिए तलवार निकाल कर जमीन में घोप दी । वह इसे एक सिरे से दूसरे सिरे तक खींचने लगा।

धरती के दो टुकड़े हो गये.......

एक टुकड़े पर ततॉंरा और दुसरे टुकड़े पर वामीरो थी।

दोनो ने आत्म बलिदान दे दिया। निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँव में भी वैवाहिक संबन्ध करने लगे। तताँरा वामीरो की त्यागमयी मौत शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी।